Vivekananda Kendra

महाकुम्भ में

विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी

का सेवा कार्य महाकुम्भ 2025 प्रयागराज

महाकुम्भ 2025 वृत्त

!! सनातन पर्व सनातन गर्व !!

महाकुम्भ का धार्मिक महत्व

महाकुम्भ का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। यह आयोजन हिन्दू धर्म में महत्वपूर्ण माना जाता है, जहां श्रद्धालु मोक्ष प्राप्त करने के लिए आते हैं। महाकुम्भ में श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम में स्नान करते हैं, जो एक विशेष धार्मिक अनुभव प्रदान करता है।

महाकुम्भ का वैज्ञानिक महत्व

महाकुम्भ के आयोजन के पीछे एक वैज्ञानिक कारण भी है। यह आयोजन बृहस्पति ग्रह की एक विशेष स्थिति पर आधारित है, जो हर 144 वर्ष में आती है। इस स्थिति में, बृहस्पति ग्रह कुम्भ राशि में प्रवेश करता है, जो एक विशेष धार्मिक महत्व रखता है।

महाकुम्भ का महत्व न केवल धार्मिक है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व भी रखता है। इस महोत्सव ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया और दुनिया भर के लोगों को एक साथ लाया।यह महोत्सव भारत के प्रयागराज में आयोजित किया गया था, जो हिन्दू धर्म में एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है।

कुम्भ यह एक ऐसा हिन्दुओं का पर्व है जहाँ पर विश्व की सभी सभ्यता के लोग बिना किसी आमंत्रण के संगम तट पर स्नान करने पहुंचते है और इसलिए यह हिन्दू धर्म की आस्था की नींव है।

भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले महाकुम्भ का आयोजन एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने मिलकर इसे सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस महोत्सव के लिए विभिन्न तैयारियाँ की गईं, जिनमें सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता,भोजन,स्नान के लिए नावें, यातायात, बिजली और अन्य सुविधाएँ थीं। महाकुम्भ में सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए:

- सुरक्षा के लिए 50,000 से अधिक सुरक्षा कर्मचारी को नियुक्त किया गया।
- 160 कि.मी. सड़कमार्ग का निर्माण किया गया।
- यातायात सुगम करने के लिए 22 पीपा पुल का निर्माण किया गया।
- 1,100 कि.मी.पॉवर केबल बिछाई गई।
- 10,000 एल.ई.डी. स्ट्रीट लाइट लगाए गए।
- 350 एम.एल.डी. वॉटरसप्लाई लाइन बिछाई गईं।
- 5,000 से अधिक पानी के जल केन्द्रों की स्थापना की गई, जिससे शुद्ध पेय जल की आपूर्ति की गईं।
- 800 कि.मी. सीवेज नेटवर्क का निर्माण किया गया।
- 250 कि.मी. ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण किया गया।
- स्वास्थ्य के लिए 100 से अधिक चिकित्सालय और स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना की गई।
- सुविधाओं के लिए 1,20,000 से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया
- लगभग 1 लाख की संख्या में टेंट्स की व्यवस्था की गई।
- आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस संचालित भीड़ प्रबंधन।
- अत्याधुनिक सीसीटीवी नेटवर्क 2,750 एआई-सक्षम सीसीटीवी कैमरे लगाए।

आवास: विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के शिविर में **100 श्रद्धालुओं** के लिए नि:शुल्क आवास व्यवस्था की गयी थी। पुरे कुम्भकाल में लगभग **4,000 श्रद्धालु** एक रात्रि आवास के लिए रुके।

भोजन: प्रतिदिन **200 श्रद्धालुओं** ने नाश्ता – चाय एवं दो समय का भोजन विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के शिविर में भोजन प्रसादी के रूप में प्राप्त किया। कुल **45 दिन** में **9,000 श्रद्धालुओं** को भोजन प्रसाद वितरण करने का अवसर प्राप्त हुआ।

भंडारा: शिविर में **15 दिन** लगभग **2,500 श्रद्धालुओं** के लिए खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया जिसमें कुल **37,500 श्रद्धालुओं** को खिचड़ी प्रसाद वितरण करने का अवसर प्राप्त हुआ।

साहित्य सेवा: विवेकानन्द केन्द्र यह एक वैचारिक आन्दोलन है । सद्साहित्यों के प्रचार प्रसार के लिए विवेकानन्द केन्द्र हिंदी प्रकाशन विभाग जोधपुर की ओर से साहित्य सेवा केन्द्र लगाया गया ।

!! सेवा का अवसर है पाया !!

महाकुम्भ में "**विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी एक अध्यात्मप्रेरित सेवा संगठन**" को भी सेवा का अवसर प्राप्त हुआ। महाकुम्भ में उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा सेवा के लिए आवंटित भूमि संकट मोचन लोअर मार्ग, यमुनाजी के तट पर विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी का शिविर लगाया गया। महाकुम्भ की पावन भूमि पर श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, भंडारे, साहित्य सेवा और सहायता केन्द्र की सेवायें प्रदान की गयी।

संगम स्नान- 12 जनवरी 2025 को स्वामी विवेकानन्द की जयंती के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति को संगम तट पर अमृत स्नान कराया गया।

उद्घाटन- 12 जनवरी 2025 को स्वामी विवेकानन्द की जयंती के अवसर पर विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के शिविर स्थल का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में यज्ञ – हवन, पूजा एवं भारत माता की आरती की गयी। उद्घाटन कार्यक्रम में विशेष रूप से विवेकानन्द केन्द्र के अखिल भारतीय संयुक्त महासचिव श्री किशोर टोकेकर जी उपस्थित थे।

शिव राज्याभिषेक महोत्सव

हिन्दू सम्राट युगपुरुष राजा शिव छत्रपति जी का 350 वाँ शिवराज्याभिषेक का उत्सव 19 फरवरी 2025 को धूम-धाम से मनाया गया | कार्यक्रम तीन भाग में आयोजित किया गया था | 1.व्याख्यान, 2. भगवा यात्रा, 3. संगम स्नान एवं भारत माता आरती

व्याख्यान: व्याख्यान के कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ जी का वक्तव्य प्राप्त हुआ | श्री पुष्पेन्द्रजी ने बताया अगर हम छत्रपति शिवाजी महाराज को सही मायने में पढ़ेंगे तो हिन्दू जागृत होगा और अपने इस धर्म का परचम पूरे विश्व में शांति और सद्भाव से फैलायेगा |

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भगवा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री कमल रावल जी** ने बताया की हिन्दू चेतना का दर्शन महाकुम्भ में मिला | आयु वर्ग 18 से 35 के युवाओं ने अधिक संख्या में महाकुम्भ का पुण्य प्राप्त किया | हिन्दू समाज को पुनः जागृत करने हेतु हमें **छत्रपति शिवाजी महाराज** की नीतिओं पर चलना होगा और तभी हम हिन्दू राष्ट्र की संकल्पना को पुनः प्रतिष्ठित कर पाएंगे |

शिव राज्याभिषेक का कार्यक्रम **विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी**, **भगवा सेना भारत** एवं **मराठी समाज** उत्तर प्रदेश ने मिलकर मनाया कार्यक्रम में कुल **300** की संख्या में शिवभक्त उपस्थित थे |

भगवा यात्रा: विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी शिविर स्थल से परमार्थ निकेतन ट्रस्ट होकर, अरैल घाट तक शिवाजी महाराज एवं स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति पालकी में विराजित कर भगवा यात्रा का आयोजन किया गया | इस यात्रा का नेतृत्व भगवा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कमल रावल जी और परमार्थ निकेतन ट्रस्ट के प्रमुख स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने किया | एक हजार से अधिक की संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवा ध्वज हाथ में पकड़कर भगवा यात्रा में भाग लिया |

संगम स्नान एवं भारत माता आरती: छत्रपति शिवाजी महाराज एवं स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति को अरैल घाट पर दुग्धाभिषेक एवं संगम स्नान कराया गया | दुग्धाभिषेक एवं संगम स्नान विधिवत मंत्रोपचार के साथ भगवा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कमल रावल जी, परमार्थ निकेतन ट्रस्ट के प्रमुख स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी एवं मराठी समाज के संस्थापक अध्यक्ष श्री उमेश पाटिल ने किया तथा अंत में सैकड़ों की संख्या में गंगा आरती के साथ शिवराज्याभिषेक का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ |

महाशिवरात्रि भंडारा: 26 फरवरी 2025 महाकुम्भ के अंतिम अमृत स्नान के दिन विशाल भंडारा आयोजित किया गया | भंडारे में लगभग **20,000 श्रद्धालुओं** को प्रसाद वितरण की सेवा प्रदान की गयी |

पूर्णकालीन बैठक: महाकुम्भ के पावन अवसर पर विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के जीवनव्रती, वानप्रस्थी एवं सेवाव्रती कार्यकर्ताओं की वैचारिक चिंतन बैठक छः दिन के लिए आयोजित की गयी | बैठक में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश –छत्तीसगढ़, राजस्थान, बिहार-झारखण्ड, आन्ध्र –तेलंगाना (तेलगू प्रान्त), ओड़िसा के कुछ कार्यकर्ताओं ने भाग लिया | बैठक में विशेष रूप से विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी से अखिल भारतीय उपाध्यक्ष माननीय निवेदिता भिड़े एवं अखिल भारतीय संयुक्त महासचिव श्री किशोर टोकेकर जी का सानिध्य प्राप्त हुआ |

संत कुटीर: विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के शिविर में संतो के लिए संत कुटीर भी बनायीं गयी थी | संत कुटीर में साधू – संत ने रहकर साधना की और उनकी साधना का लाभ परिसर में रहने वाले सभी श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ |

केन्द्र प्रार्थना एवं हनुमान चालीसा पाठ: विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी शिविर परिसर में प्रतिदिन सुबह और संध्या को केन्द्र प्रार्थना एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

परिसर: विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी को महाकुम्भ मेला स्थल पर कुल 12,500 वर्ग फिट इतनी जगह यमुनाजी के तट का आवंटित की गयी थी। इस परिसर में 100 श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क आवास (6 टेंट, 1 टिन शेड पंडाल, 2 भोजन कक्ष, कार्यालय, संत कुटीर, कार्यक्रम के लिए खुला परिसर, व्यवस्था के कार्यकर्ताओं के लिए आवास) सेवाएँ प्रदान की गयी। स्वामी विवेकानन्द की 12 फीट की मूर्ति परिसर के मध्य में स्थापित की गयी थी।

विशेष

- विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी की अखिल भारतीय उपाध्यक्ष माननीय निवेदिता भिडे दीदी का सानिध्य प्राप्त हुआ।
- अखिल भारतीय संयुक्त महासचिव श्री किशोर टोकेकरजी का सानिध्य प्राप्त हुआ।
- विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी की अखिल भारतीय उपाध्यक्ष माननीय निवेदिता भिड़े दीदी की भेंट परमार्थ निकेतन ट्रस्ट के प्रमुख स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से हुई और देश – विदेश में महाकुम्भ के प्रभाव को लेकर चर्चा हुई।
- शिवराज्याभिषेक कार्यक्रम में भारत सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन् जी ने अरैल घाट पर छत्रपति शिवाजी महाराज एवं स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति पर माल्यार्पण और पूजन किया।
- शिवराज्याभिषेक कार्यक्रम में तेजस्वी सूर्य भारतीय जनता पार्टी के बंगलौर दक्षिण से लोकसभा सांसद ने परमार्थ निकेतन ट्रस्ट में छत्रपति शिवाजी महाराज एवं स्वामी विवेकानन्द के मूर्ति पर माल्यार्पण किया।
- महाकुम्भ में भारत के प्रत्येक प्रान्त से विवेकानन्द केन्द्र के 63 कार्यकर्ताओं ने विविध व्यवस्थाओं में सेवा प्रदान की।
- भारत के प्रत्येक राज्य - कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल तक श्रद्धालु विवेकानन्द केन्द्र के परिसर में ठहरे।

**महाकुम्भ 2025 की सफलता ने भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार,
मठ – मंदिर, सामाजिक संस्थाएं और संगठनो की क्षमता को प्रदर्शित किया और दुनिया भर के लोगों को एक साथ लाया।**

फोटो गैलरी

महाकुम्भ पर्व समिति

अध्यक्ष	श्री कमलभाई रावल
उपाध्यक्ष	श्री मिहिरभाई आहिर
	श्रीमती मिताजी अग्रवाल
मार्गदर्शक	श्री संदीपभाई रावल
	श्री त्रिलोचन शर्मा जी
	श्री रवि तिवारी जी
व्यवस्था प्रमुख	श्री शुभ्रांशु पाण्डेय
सह व्यवस्था प्रमुख	श्री ऋषिराज जी
सदस्य	श्रीमती शीला मिश्रा जी

एकाउंट्स

1 जनवरी से 20 मार्च 2025

विवरण	राशि
कुल दान राशि	Rs. 46,08,307
कुल खर्च	Rs. 47,92,718

मुख्य बिंदु

समय दानी कार्यकर्ता	63
आवास	4,000 श्रद्धालु
भोजन	9,000 श्रद्धालु
भंडारा	79,000 श्रद्धालु

शिव राज्याभिषेक कार्यक्रम	
व्याख्यान	300 श्रद्धालु
भगवा यात्रा	1,200 श्रद्धालु
भंडारा	29,000 श्रद्धालु
संगम स्नान - गंगा आरती	500 श्रद्धालु

विशेष

- **माननीय निवेदिता भिड़े**, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष,विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी
- **श्रीमती निर्मला सीतारामन्**, केन्द्रीय वित्त मंत्री, भारत सरकार
- **स्वामी चिदानन्द सरस्वती**, प्रमुख परमार्थ निकेतन ट्रस्ट, ऋषिकेश
- **श्री तेजस्वी सूर्या**, माननीय सांसद, बंगलोर दक्षिण
- श्री **पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ**, वरिष्ठ पत्रकार
- **श्री अरविन्द गुप्ता**, डायरेक्टर विवेकानन्द इंटरनेशनल फाउंडेशन, दिल्ली

“

महाकुम्भ का एक सन्देश, एक रहेगा भारत देश !
गंगा की अविरल धारा, न बटे समाज हमारे !!

माननीय नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री भारत

”

विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी,
उत्तर प्रदेश प्रान्त

बी-319, सेक्टर बी, महानगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226006

vrmvk.org/sm   lucknow@vkendra.org   vrmvk.org